International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 11 Issue 6, Nov. - Dec., 2023, Impact Factor: 7.326

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

डॉ. प्रभात शुक्ल[1], **राज कमल दीक्षित**[2]

[1]प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग, स्वामी शुकदेवानन्द कालेज, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश
[2]शोध छात्र, एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर प्रदेश

ABSTRACT

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण संभव है। व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए उसका शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ एवं विकार रहित होना अत्यन्त आवश्यक है। यद्यपि मानसिक स्वास्थ्य को अनेक कारक प्रभावित करते हैं तथापि विद्यार्थियों का गृह वातावरण उनके मानसिक स्वास्थ्य को सर्वाधिक प्रभावित करता है। विद्यार्थी सीखने की दृष्टि से अपने जीवन का सवार्धिक महत्वपूर्ण समय बाल्यावस्था अपने घर पर ही व्यतीत करता है। घर बालक को आचरण , व्यवहारिकता, संस्कृति, संस्कार, सहयोग आदि सिखाकर सफल नागरिक बनाने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अभिकरण है। अतः माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण का प्रभाव पड़ता है यह निर्विवाद और सत्य है।

Keywords: शिक्षा, माध्यमिक स्तर, मानसिक स्वास्थ्य, गृह वातावरण।

प्रस्तावना

मानसिक स्वास्थ्य के अन्तर्गत हमारा मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और भावनात्मक कल्याण शामिल है। यह हमारे सोचने, विचारने, महसूस करने और काम करने के तरीके को प्रभावित करता है। यह निर्धारित करता है कि हम अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों , चुनौतियों और तनावों को कैसे संभालते हैं। दूसरों से एवं भिन्न परिस्थितियों से किस प्रकार संबंध स्थापित करते हैं तथा स्वयं के निर्णयों का चुनाव किस प्रकार करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था एवं प्रौढ़ावस्था सभी अवस्थाओं के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है और माँ प्रथम शिक्षक बालक औपचारिक रूप से जितना सीखता है उससे कई गुना अधिक वह अपने परिवार से अनौपचारिक रूप से सीखता है। परिवार में ही बालक अपने समूह एवं समुदाय की बोल-भाषा , रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा, संस्कार और संस्कृति सीखता है। परिवार बालक के समाजीकरण का सर्वप्रथम अभिकरण है। जन्म लेते ही मनुष्य किसी परिवार का सदस्य होता है तथा आजीवन किसी न किसी रूप में परिवार का सदस्य रहता है। एक परिवार में मनुष्य को अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करना होता है। परिवार मनुष्य को एक स माजोपयोगी व्यक्ति तथा उत्तम नागरिक बनने में सहयोग करता है। किसी भी बच्चे का विकास परिवार के वातावरण पर निर्भर करता है। कोई भी बालक वैसा ही आचरण करेगा जैसा उसके परिवार के अन्य सदस्य करते रहे हैं।

अतः माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु प्रस्तुत शोध कार्य किया गया है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन:-

1. डॉ. पी. के. नायक एवं मीनाक्षी महंत (2018) ने किशोरावस्था के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गृह परिवेश के प्रभाव का अध्ययन किया।

2. आलिया खातून (2019) ने माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में पारिवारिक वातावरण, शैक्षिक दुश्चिंता एवं लैंगिक अंतर के प्रभाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन किया।
3. टोंक, योगेश कुमार (2019) ने पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने वाले और भाग न लेने वाले प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के प्रशिक्षणार्थियों की सृजनात्मकता, मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया।
4. फारूख नवाज खान, मेहनाज बेगम और मरियम इमाद (2019) ने माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के गृह वातावरण और उनके शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया।
5. आरती (2020) ने माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य , स्वच्छता संबंधी आदतों एवं योग के प्रति अभिवृत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया।
6. गीता दलाल (2020) ने दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक स्थिरता एवं पारिवारिक पर्यावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि से संबंध का तुलनात्मक अध्ययन किया।
7. सिंह, पुष्पेन्द्र (2021) ने उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के अभिभावक संबंध एवं विद्याल यी वातावरण का उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया।
8. वैशाली उनियाल (2021) ने माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में उपलब्धि को प्रभावित करने वाले पारिवारिक एवं विद्यालयी वातावरण का अध्ययन किया।
9. नितिन कुमार सतभैया (2022) ने सहरिया जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया।
10. शर्मा, मीना (2022) ने आवासीय एवं गैर आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों में अधिगम , मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन किया।
11. सिंह, अर्चना (2023) ने वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों , शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवसायिक तनाव का अध्ययन किया।

समस्या कथन:-

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना है।

प्रमुख शब्दों का परिभाषीकरण:-

प्रस्तुत अध्ययन में उपयोग किए गए प्रमुख शब्दों का परिभाषीकरण निम्नानुसार है।

1. **माध्यमिक स्तर -** प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर से अभिप्राय माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में संचालित इंटरमीडिएट कक्षाओं से है।
2. **विद्यार्थी -** विद्यार्थी से अभिप्राय माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज से मान्यता प्राप्त सरकार द्वारा वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा 11 के सभी विद्यार्थियों से है।
3. **मानसिक स्वास्थ्य -** प्रस्तुत अध्ययन में प्रयोग किए जाने वाले मानसिक स्वास्थ्य बैटरी के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य अपने एवं दूसरों के प्रति अभिवृत्यात्मक प्रत्यय है। यह स्वयं एवं दूसरों के प्रति अभिवृत्ति, सकारात्मक संवेदना, तथा स्वयं को समझने एवं आँकलन करने की एक मानवीय सोच प्रस्तुत करता है। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के अंतर्गत उनके व्यक्तित्व के निम्नलिखित पहलुओं (संवेगात्मक स्थिरता, संपूर्ण समायोजन, स्वशासन, सुरक्षा एवं असुरक्षा, आत्म प्रत्यय तथा बुद्धि) का अध्ययन किया गया है।
4. **गृह वातावरण-** प्रस्तुत अध्ययन में प्रयोग किए जाने वाली गृह वातावरण मापनी विद्यार्थी के परिवार में उपलब्ध संज्ञानात्मक, भावात्मक एवं सामाजिक समर्थन तथा सहयोग की मात्रा एवं गुणवत्ता का मापन करती है। इसके अनुसार गृह वातावरण के अंतर्गत निम्नलिखित विशेषताओं नियंत्रण, सुरक्षा, दण्ड, दृढ़ता, सामाजिक अलगाव, पुरस्कार, विशेषाधिकारों का हनन, माता पिता का स्नेह, अस्वीकृति एवं अनुमोदन का अध्ययन किया गया है।

शोध उद्देश्य:-

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं-

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाएँ :-

प्रस्तुत अध्ययन हेतु उद्देश्यानुसार निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्धारित की गयी हैं-

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
3. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

अध्ययन प्रविधि एवं प्रक्रिया

विधि:- प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षणात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या:- प्रस्तावित शोध कार्य में समग्र के अंतर्गत शाहजहाँपुर जनपद में संचालित माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश , प्रयागराज, द्वारा मान्यता प्राप्त सभी माध्यमिक स्तर के विद्यालयों को सम्मिलित किया गया है। कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक शाहजहाँपुर के अनुसार जनपद शाहजहाँपुर में माध्यमिक स्तर के लगभग 210 विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा 11 के समस्त विद्यार्थी जनसंख्या के अन्तर्गत सम्मिलित किये गये हैं।।

न्यादर्श:- प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श हेतु शाहजहाँपुर जनपद में संचालित माध्यमिक विद्यालयों में से 50 प्रतिशत विद्यालयों का चयन क्रमानुसार प्रतिचयन विधि से करते हुए कुल 210 विद्यालयों में से 105 विद्यालयों का चयन किया गया। इन विद्यालयों में कक्षा 11 में पढ़ने वाले सर्वेक्षण के दिन उपस्थित 25 प्रतिशत विद्यार्थियों का चयन क्रमागत प्रतिचय विधि से किया गया जिसमें कुल 10061 विद्यार्थियों में से 2512 विद्यार्थी शोध हेतु चयनित किये गये।

उपकरण:- प्रस्तुत अनुसंधान में नेशनल साइकोलाजिकल कार्पोरेशन, आगरा द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित परीक्षणों का उपयोग किया गया है-

(अ) डॉ. अरूण कुमार सिंह तथा डॉ. अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित
मानसिक स्वास्थ्य बैटरी (Mental Health Battery)
(ब) डॉ. के. एस. मिश्र द्वारा निर्मित
गृह वातावरण इन्वेंटरी (Home Environment Inventory)

आँकड़ों का विश्लेषण एवं विवेचन:-

परिकल्पना परीक्षण हेतु विद्यार्थियों को उनके गृह वातावरण के प्राप्तांकों के चतुर्थक विचलन के आधार पर तीन वर्गों उच्च, मध्यम तथा निम्न में वर्गीकृत किया गया है। गृह वातावरण में 220 तक प्राप्तांक वाले गृह वातावरण को निम्न गृह वातावरण , 221 से 285 तक को मध्यम गृह वातावरण तथा 286 एवं अधिक प्राप्तांक को उच्च गृह वातावरण के रूप में वगीकृत किया गया है।

परिकल्पना संख्या 01 की तालिका

क्रमांक	गृह वातावरण का स्तर	मानसिक स्वास्थ्य					
		विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान	सार्थक/निरर्थक
1	उच्च	622	84.11	11.43	1.13	1.96	निरर्थक
	निम्न	616	83.37	11.53			
2	मध्यम	1274	85.47	10.35	3.83	1.96	सार्थक
	निम्न	616	83.37	11.53			
3	उच्च	622	84.11	11.43	2.51	1.96	सार्थक
	मध्यम	1274	85.47	10.35			

परिकल्पना संख्या 02 की तालिका

क्रमांक	गृह वातावरण का स्तर	मानसिक स्वास्थ्य					
		छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान	सार्थक/निरर्थक
1	उच्च	377	84.50	11.32	1.05	1.96	निरर्थक
	निम्न	303	83.57	11.53			
2	मध्यम	693	85.32	10.49	2.26	1.96	सार्थक
	निम्न	303	83.57	11.53			
3	उच्च	377	84.50	11.32	1.16	1.96	निरर्थक
	मध्यम	693	85.32	10.49			

परिकल्पना संख्या 03 की तालिका

क्रमांक	गृह वातावरण का स्तर	मानसिक स्वास्थ्य					
		छात्राओं की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान	सार्थक/निरर्थक
1	उच्च	245	83.49	11.61	0.31	1.96	निरर्थक
	निम्न	313	83.18	11.55			
2	मध्यम	581	85.64	10.17	3.16	1.96	सार्थक
	निम्न	313	83.18	11.55			
3	उच्च	245	83.49	11.61	2.52	1.96	सार्थक
	मध्यम	581	85.64	10.17			

निष्कर्ष

उपर्युक्त तालिकाओं के विश्लेषण के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए।

परिकल्पना संख्या 01 -

परिकल्पना परीक्षण के अनुसार विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के उच्च तथा निम्न स्तर का प्रभाव नहीं पाया गया। परन्तु यहाँ प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत्उच्च गृह वातावरण वाले विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का स्तर निम्न गृह वातावरण वाले विद्यार्थियों से अच्छा पाया गया।

परिकल्पना परीक्षण के अनुसार विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के मध्यम तथा निम्न स्तर का प्रभाव पाया गया। प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत्मध्यम गृह वातावरण वाले विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का स्तर निम्न गृह वातावरण वाले विद्यार्थियों से अच्छा पाया गया। परिकल्पना परीक्षण के अनुसार विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के उच्च तथा मध्यम स्तर का प्रभाव पाया गया। प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत्मध्यम गृह वातावरण वाले विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का स्तर भी उच्च गृह वातावरण वाले विद्यार्थियों से अच्छा पाया जाता है।

परिकल्पना संख्या 02 -

परिकल्पना परीक्षण के अनुसार छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के उच्च तथा निम्न स्तर का प्रभाव नहीं पाया गया। परन्तु यहाँ प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् उच्च गृह वातावरण वाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य निम्न गृह वातावरण वाले छात्रों से अच्छा पाया गया।

परिकल्पना परीक्षण के अनुसार छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के मध्यम तथा निम्न स्तर का प्रभाव पाया गया। प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् मध्यम गृह वातावरण वाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य निम्न गृह वातावरण वाले छात्रों से अच्छा पाया जाता है। परिकल्पना परीक्षण के अनुसार छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के उच्च तथा मध्यम स्तर का प्रभाव नहीं पाया गया। परन्तु यहाँ प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् मध्यम गृह वातावरण वाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य उच्च गृह वातावरण वाले छात्रों से भी अच्छा पाया गया।

परिकल्पना संख्या 03 -

परिकल्पना परीक्षण के अनुसार छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के उच्च तथा निम्न स्तर का प्रभाव नहीं पाया गया। परन्तु यहाँ प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् उच्च गृह वातावरण वाली छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य निम्न गृह वातावरण वाली छात्राओं से अच्छा पाया गया।

परिकल्पना परीक्षण के अनुसार छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के मध्यम तथा निम्न स्तर का प्रभाव पाया गया। प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् मध्यम गृह वातावरण वाली छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य निम्न गृह वातावरण वाली छात्राओं की अपेक्षा अच्छा पाया गया। परिकल्पना परीक्षण के अनुसार छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के उच्च तथा मध्यम स्तर का प्रभाव पाया गया। प्राप्तांकों के माध्य के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् उच्च एवं मध्यम गृह वातावरण वाली छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य उच्च गृह वातावरण वाली छात्राओं से अच्छा पाया गया।

शोध के आधार पर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके गृह वातावरण के प्रभाव को वर्णित करने का प्रयास किया गया है। इस शोध से परिवार के लोगों के साथ - साथ शिक्षा व समाज से जुड़े लोगों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ को उत्तम बनाने में गृह वातावरण की भूमिका की जानकारी हो सकेगी और वे मानसिक स्वास्थ्य के उन्नयन हेतु प्रभावी योजनाएँ बना सकेंगें

सन्दर्भ

[1]. पचौरी, गिरीश (2011). उभरते भारतीय समाज में शिक्षक की भूमिका. मेरठः आर. लाल. बुक डिपो।
[2]. लाल, रमन बिहारी (2011). शैक्षिक चिंतन एवं प्रयोग. मेरठः आर. लाल. बुक डिपो।

[3]. अहूजा, राम (2015). भारतीय सामाजिक व्यवस्था. जयपुरः रावत पब्लिकेशन।
[4]. पाठक, पी. डी. (2012). शिक्षा मनोविज्ञान. आगराः श्री विनोद पुस्तक भण्डार।
[5]. लाल, प्रो. रमन बिहारी (2011). शैक्षिक चिन्तन एवं प्रयोग. मेरठ:आर लाल बुक डिपो।
[6]. गुप्ता, एस. पी. (2020). अनुसंधान संदर्शिकाः सम्प्रत्यय, कार्यविधि एवं प्रविधि, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
[7]. पाटनी, डॉ. मंजु एवं शर्मा, डॉ. ललिता (2000). गृह प्रबन्ध, स्टार पब्लिकेशन, आगरा।
[8]. गुप्ता, एस. पी. एवं गुप्ता, अलका (2012). उच्चतर षिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
[9]. नायक पी. के. एवं महंत मीनाक्षी, ‘‘किशोरावस्था के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन
[10]. International Journal of Advanced Educational Research, Volume 3, Issue 2, March 2018, Page no.549-552, ISSN: 2455 6157, Assessed from www.educationjournal.org
[11]. Khatun, Aliya (2019), “Influence of family environment, academic anxiety and gender differences on the academic achievement of secondary school students”, Ph. D. Aligarh Muslim University, Aligarh, Uttar Pradesh.Url https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/247529
[12]. टॉक, योगेश कुमार (2019). ‘‘पाठ्य सहगामी क्रिया में भाग लेने वाले व भाग न लेने वाले प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की सृजनात्मकता, मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययनः एक शोध प्रबंध’’ , उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानद विश्वविद्यालय, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, गुजरात।
[13]. Khan, Farooq Nawaz, Begum Mehnaz and Imad Maryum (2013), “Relationship between Students Home Environment and their Academic Achievement at Secondary School Level, Research Paper, Pakistan Journal of Distance and Online Learning”, Volume: V, Issue II,2019, 223 - 234.URL: files.eric.ed.gov/fulltext/EJ1255543.pdf
[14]. आरती (2020).‘‘माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य स्वच्छता संबंधी आदतों एवं योग के प्रति अभिवृत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययनः एक शोध प्रबंध’’, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, तंतिया यूनिवर्सिटी, श्री गंगानगर, राजस्थान।
[15]. दलाल, गीता (2019). ‘‘दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक स्थिरता एवं पारिवारिक परिवेश का उनकी शैक्षिक उपलब्धि से संबंध का अध्ययन’’, पी-एच.डी. शिक्षा विभाग, माधव विश्वविद्यालय पिंडवाड़ाद्व सिरोही, राजस्थान।
[16]. सिंह,पुष्पेन्द्र (2021). ‘‘उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के अभिभावक संबंध एवं विद्यालय वातावरण का उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक बुद्धि पर प्रभाव का अध्ययन’’ , पी-एच.डी. (शिक्षा). हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय). श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
[17]. शर्मा,मीना (2022). ‘‘आवासीय एवं गैर आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों में अधिगम , मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन’’, पी-एच.डी. (शिक्षा). शिक्षा एवं प्रविधि विभाग, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर।
[18]. शर्मा, अर्चना (2023). ‘‘वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवसायिक तनाव का अध्ययन’’, पी-एच.डी. (शिक्षा). आई.एफ.टी.एम. विश्वविद्यालय, मुरादाबाद।
[19]. दलाल, गीता (2019). ‘‘दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक स्थिरता एवं पारिवारिक परिवेश का उनकी शैक्षिक उपलब्धि से संबंध का अध्ययन’’, पी-एच.डी. (शिक्षा) माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा सिरोही, राजस्थान।
[20]. उनियाल,वैशाली (2021).‘माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में उपलब्धि को प्रभावित करने वाले पारिवारिक एवं विद्यालयी वातावरण का अध्ययन’, पी-एच.डी. (शिक्षाशास्त्र). श्री गुरू राम राय विश्वविद्यालय, देहरादून।
[21]. सतभैया,नितिन कुमार (2022), ‘‘सहरिया जनजाति विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन’’, पी-एच.डी. (शिक्षाशास्त्र), जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश।
[22]. शर्मा,मीना (2022). ‘‘आवासीय एवं गैर आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों में अधिगम , मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन’’, पी-एच.डी. (शिक्षा). शिक्षा एवं प्रविधि विभाग, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर।
[23]. सिंह,अर्चना (2023). ‘‘वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों , शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवसायिक तनाव का अध्ययन’’, पी-एच.डी. (शिक्षा). आई.एफ.टी.एम. विश्वविद्यालय, मुरादाबाद।